गायत्रीबाला पंडा ओड़िआ कविता का एक सशक्त स्वर है । इन्होंने पिछले सोलह वर्षों में एक के बाद एक नौ काव्य-संग्रह प्रकाशित करके आधुनिक ओड़िआ कविता में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है । संवेदनशील, स्वच्छ और संक्षिप्त शब्द-चयन उनकी शैली की विशेषता है ।

डॉ. सीताकांत महापात्र
ज्ञानपीठ से सम्मानित प्रख्यात ओड़िआ कवि